आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाईऔरसिलाई एवं बैग निर्माण
2022

एसएचजी/नाम	:	जय माँ सरस्वती स्वयं सहायता समूह सिह्डा
वीएफडीएस नाम	:	सिह्डा
एफटीयू/रेंज	:	सदर
डीएमयू/मंडल	:	बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:	बिलासपुर
द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल		द्वारा तैयार:- डीएमयू बिलासपुर, एफ टी यू सदर और जय माँ सरस्वती एस एच जी

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
उत्पादन योजना का विवरण	8
विपणन /बिक्री का विवरण	8-9
अर्थशास्त्र का विवरण	9-10
वित् की आवश्यकता	10-11
निगरानी विधि	11
टिपणी	12
व्यवसाय योजना सिलाई कटाई एवं बैग बनाना	12
कार्यकारी सारांश	12
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	12
उत्पादन योजना का विवरण	13
अर्थशास्त्र का विवरण	13-14
फंड की आवश्यकता	15
अनुलग्नक	16-17

परिचय:-

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिकभूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसकाआबादी घनत्व काफी है ।

वी.एफ.डी.एससिहडा क्षेत्र बिलासपुर सदर रेंज के बागी बिनोला बीट के अंतर्गत आता है जनसखिकी विशेषताओं और वन क्षेत्रो का उपयोग करने वाले ग्रामीणों को ध्यान मे रखते हुए सिहडा के लिए अपने पर्यटन स्थलों औरहिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते मेंमंडी कुल्लू, शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ता है ।सिह्डा पंचायत बिलासपुर जिला से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और राज्य की राजधानी शिमला से 125 किलोमीटर दूर है

यह जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी सतलुज नदी मुख्य जीवन रेखा हैं । तथा भाखड़ा बाँध के निर्माण के पश्चात् इस जिले का अधिकतर उपजाऊ भू क्षेत्र जलमग्न हो गया है ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

मलांगनवन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए एक स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "जय माँ सरस्वती" स्वयं सहायता समुह, कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और बैग निर्माण करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दलजिसमें विजय कुमार,विषय विशेषज्ञकार्यालय वनमंडल सुकेत, डॉ उल्शीदा,विषय विशेषज्ञकार्यालय वनमंडल बिलासपुर, अनु ठाकुर वन रक्षक,सिहडा बीट और समीर मोहम्मद, वनखंड अधिकारी, फील्ड तकनीकी यूनिट मधु पंडीर वन खंड सदर शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानियासेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

सिह्डा वन ग्रामीण विकास समिति:-

सिह्डा ग्रामीण विकास समितिखंगड़राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है। इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत सिहडामें किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के सदर ब्लॉक में स्थित है सिहडा वन ग्रामीण विकास समिति बिलासपुर वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के सदर वन परिक्षेत्र के तहत सदर वन खण्ड के बिनौला बीट के अंतर्गत आता है ।

परिवारों की संख्या	170
बीपीएल परिवार	63 =20.93%
कुल जनसंख्या	1330

स्वयं सहायता समुहका विवरण

अनौपचारिक सिह्डा स्वयं सहायता समुह का गठन फरवरी2021में सिहडा वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। “जय माँ सरस्वती”स्वयं सहायता समुह महिला समूह (14महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बैग निर्माण जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 14सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	सोनम	प्रधान	राजपूत	30	Sonam
2.	चंपा देवी	सचिव	S.C		Champa Devi
3.	कमला देवी	कोषाध्यक्ष	S.C	30	Kamla Devi
4.	रूपा देवी	सदस्य	S.C	28	Roopa Devi
5.	निशा देवी	,,	राजपूत	36	Nisha Devi
6.	हेमा देवी	,,	,,	48	हेमा देवी
7.	रमा देवी	,,	,,	43	रमा देवी
8.	दसोदा देवी	,,	,,	62	दसोदा
9.	माया देवी	,,	S.C	49	माया देवी
10.	रीमा देवी	,,	राजपूत	42	रीमादेवी
11.	हेम लता	,,	,,	42	हेमलता देवी
12.	रीता देवी	,,	,,	44	रीता देवी
13.	रीमा देवी	,,	,,	42	Reema Devi
14.	मीरा देवी	,,	,,	48	मीरादेवी
15.					
16.					

14

रीमा देवी

दसोधा देवी

निशा देवी

सोनम

हेमा देवी

चंपा देवी

मीरा देवी

माया देवी

हेम लता देवी

रमा देवी

रूपा देवी

रीता देवी

कमला देवी

रीमा देवी

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	जय माँ सरस्वती स्वयं सहायता समूह
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	सिह्डा
परिक्षेत्र	::	सदर
वन मण्डल	::	बिलासपुर
गांव	::	सिह्डा
खंड	::	सदर
ज़िला	::	बिलासपुर
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	14
गठन की तिथि	::	10/8/2021
बैंक का नाम और विवरण	::	HP.State Co-Operative Bank Bilaspur H.P
बैंक खाता संख्या	::	10610120839
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.100/-माह
कुल बचत	::	20,000/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	12किमी
मेन रोड से दूर	: :	0km (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	कन्द्रौर07किमी, बिलासपुर 16 किमीलगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	: :	कन्द्रौर07किमी, बिलासपुर 16 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	कन्द्रौर, बिलासपुर
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	पिछलीकड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिमकड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव – मलांगन
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
सिलाई मशीन	05	8000	40000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
दर्जी कैंची	10	400	4000
सिलाई रूलर (फीता) सेट	10	600	6000
सिलाई दर्जी Tap	10	100	1000
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			**68800**

बी।	**आवर्ती लागत**				
अनु क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					**7800**

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल	**8400**

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	**राशि (रु.)**
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8700)	28,800
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**
कुल पूंजी लागत	68800	34,400	34,400
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	**126600**	**84400**	**42200**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50%
- **आवर्ती लागत -** एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगतलागतका50% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	□ पूंजीगत लागत का 50% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। □ स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:
समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधीबैग निर्माणहै क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशनके समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

बैग बनाना

द्वारा

जय माँ सरस्वती स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

बैगउत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण बैगउत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजीविका मे सुधार ला सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ौतरी कर सकते हैं। कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिएप्रशिक्षण औरउन्नत किस्म की मशीनें समूह को अनुदान पर प्रदान की जाएँगी। जिस से समूह के सदस्यअच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं औरअधिक आयअर्जित कर सकते हैं।

आयसृजनगतिविधिसेसंबंधितउत्पादकाविवरण।

उत्पादकानाम	::	बैग
उत्पादपहचानकीविधि	::	हालांकिसमूहकापूरासदस्यमौसमीसब्जीऔरपारंपरिकफसलेंउगाताहै।चूंकिउनकीभूमिजोतछोटीहै, उत्पादनकेसंतृप्तिबिंदुपरपहुंचगईहै, इसलिएवेअपनीवित्तीयआवश्यकताओंकोपूराकरनेमेंसक्षमनहींहैं, इसलिएसमूहकेसदस्यद्वारायहनिर्णयलियागयाहैकिजेआईसीएपरियोजनाकीसहायतासेबैगबनानाशुरूकियाजानाहै, जोउनकीआयमेंवृद्धिहोगी।
एसएचजी/सीआईजी/ कीसहमतिसमूह	::	सहमतिअनुलग्नककेरूपमेंसंलग्नहै।

उत्पादनयोजनाकाविवरण

समयलिया	::	बैगकेप्रकारऔरआकारकेआधारपर 1 बैगकोपूराहोनेमेंलगभग 1-2 घंटेलगतेहैं
शामिलमहिलाओंकीसंख्या	::	सभीमहिलाएं।
कच्चेमालकास्रोत	::	स्थानीयबाजार / मुख्यबाजार
अन्यसंसाधनोंकास्रोत	::	स्थानीयबाजार / मुख्यबाजार
प्रतिदिनअपेक्षितसिलेबैग	::	शुरूमें 4 बैग

विपणन/बिक्रीकाविवरण

संभावितबाजारस्थान / स्थान	::	आच्छादितगांव – सिहडा आस-पासकेसंस्थान - स्कूल, कॉलेजआदि
बैगकीमांग	::	सालभर(लंचबॉक्सऔरपानीकीबोतलोंकेलिएबैगऔरउत्सव, शादीकेअवसरोंपरयात्राके लिए कैरीबैगकीमांगअधिकहोती है
बाजारकीपहचानकीप्रक्रिया	::	समूहकेसदस्यआस- पासकेग्रामीणों/घरों/संस्थाओंसेसंपर्ककरेंगे।
विपणनरणनीति		एसएचजीसदस्यसीधेआस- पासकेग्रामीणों/घरों/संस्थाओंसेआदेश (व्यक्तिगतस्तर/समूहस्तर) लेंगे।

जोखिमविश्लेषण

- कौशलआधारित
- जरूरतअनुसार
- अत्यधिकप्रतिस्पर्धीबाजार

सदस्योंकेबीचप्रबंधनकाविवरण

आपसीसहमतिसेएसएचजीसमूहकेसदस्यकार्यकोअंजामदेनेकेलिएअपनीभूमिकाऔरजिम्मेदारीतयकरेंगे। सदस्योंकेबीचउनकीमानसिकऔरशारीरिकक्षमताकेअनुसारकामकाबंटवाराकियाजाएगा।

- समूहकेकुछसदस्यप्री-प्रोडक्शनप्रक्रिया (यानी - कच्चेमालकीखरीदआदि) मेंशामिलहोंगे।
- कुछसमूहसदस्यउत्पादनप्रक्रियामेंशामिलहोंगे।
- समूहकेकुछसदस्यपैकेजिंगऔरमार्केटिंगमेंशामिलहोंगे।

अर्थशास्त्रकाविवरण :

	आवर्ती लागत				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	बैग बनाने के लिए कपड़ा (जूटऔरमोटीकपास)		30 mt	150 / mt.	4500
2	मेटी		30 mt	120	3600
3	सिलाई के धागे	रीलों/बैग/ माह	180	10	1800
4	अन्य परिष्करण सामग्री (ज़िप , बटन , फीता, टेप और चेन और अन्य सामान)	बैग/माह	लगभग	लगभग	8000

5	स्पंज		30 mt	3600	3600
6	किराया	महीना			1000
7	अन्य (स्टेशनरी, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत					**23500**

सी।	**उत्पादन की लागत (मासिक)**
अनु क्रमांक	**विवरण**	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	23500
	कुल	**23500**

	बैग की कीमत (प्रति बैग)				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**राशि (रु.)**	
1	यात्रा का थैला	1	1	300-400	
2	लंच बॉक्स के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
3	पानी की बोतल के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
4	मिनी उपयोगिता किट	1	1	75	
5	भट्ठा बैग	1	1	250	
6	मोबाइल कवर	1	1	75	
7	हैंड बैग	1	1	250-300	

आयऔरव्ययकाविश्लेषण (महीनेके):

क्रमांक	**विवरण**	**राशि (रु.)**
1.	कुल आवर्ती लागत	23500
2.	प्रति माह सिले कुल बैग	120 (लगभगमात्रा)
3.	बैग का विक्रय मूल्य (प्रति बैग)	75-400
4.	आय सृजन (120*240)	28800
5.	शुद्ध लाभ (28800 - 23500)	5300
6.	शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। यह लाभ एक घंटा प्रतिदिन काम करने के आधार पर है • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

फंडकीआवश्यकता:

क्रमांक	**विवरण**	**कुल राशि (रु.)**	**परियोजना योगदान**	**एसएचजी योगदान**

1	कुल आवर्ती लागत	23500	0	23500
2	प्रशिक्षण	50000	50000	0
	कुल	**73500**	**50000**	**23500**

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 68800/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =76600/-

बैग बनाना परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 0/- (मशीन इत्यादि पूंजीगत लागत परियोजना के भाग –I में ही दर्शायी गयी है)

आवर्ती लागत = 23500/-

बैग बनाना परियोजना के लिए कुल = 23500/-

व्यवसाय योजनाका कुल योग रु. केवल 100100/-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत**	**परियोजना का हिस्सा**	**लाभार्थीअंश दान**	**कुल लागत**
1.	कटाई, सिलाई	68800/-	7800/-	34400/-	42200/-	76600/-
2.	बैग बनाना	0	23500/-	0	23500/-	23500/-
	कुल	**68800/-**	**31300/-**	**34400/-**	**65700/-**	**100100/-**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह ( ) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	सोनम	प्रधान	राजपूत	30	Sonam
2.	चंपा देवी	सचिव	S.C		ChampaDevi
3.	कमला देवी	कोषाध्यक्ष	S.C	30	Kamla Devi
4.	रूपा देवी	सदस्य	S.C	28	RoopaDevi
5.	निशा देवी	,,	राजपूत	36	NishaDevi
6.	हेमा देवी	,,	,,	48	हेमा देवी
7.	रमा देवी	,,	,,	43	रमा देवी
8.	दसोदा देवी	,,	,,	62	दसोदा
9.	माया देवी	,,	S.C	49	माया देवी
10.	रीमा देवी	,,	राजपूत	42	रीमादेवी
11.	हेम लता	,,	,,	42	हेमलता देवी
12.	रीता देवी	,,	,,	44	रीता देवी
13.	रीमा देवी	,,	,,	42	ReemaDevi
14.	मीरा देवी	,,	,,	48	मीरादेवी
15.					
16.					

सचिव
हस्ताक्षर
सचिव स्वयं सहायता समूह

प्रधान
हस्ताक्षर
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव ,वन ग्रामीण विकास
समिति

हस्ताक्षर
प्रधान, वन ग्रामीण विकास
समिति

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी
सदर

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी
Forest Range Officer
Sadar Forest Range
Bilaspur (H.P.)

डीएमयू द्वारा स्वीकृत